भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – 4238
दिनांक 20.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

वैश्विक शासन सुधार में भारत का नेतृत्व

4238. **श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की अपनी उम्मीदवारी के लिए और अधिक वैश्विक समर्थन मांगा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान यूएनएससी सुधारों के पक्ष में भारत के मामले को मजबूत करने के लिए क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं;
(ग) अंतरराष्ट्रीय बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार में दक्षिणी गोलार्ध के देशों को एकजुट करने के लिए भारत के राजनयिक प्रयासों की वर्तमान स्थिति क्या है; और
(घ) भारत की रणनीतिक वैश्विक भूमिका के अनुरूप उसका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)

(क) से (घ) भारत सरकार विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत के लिए स्थायी सदस्यता दिए जाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। भारत इस प्रयास में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों स्तरों पर प्रयत्नशील है। भारत का दृढ़ विश्वास है कि उसके पास समकालीन वैश्विक वास्तविकताओं को परिलक्षित करने वाली पुनर्गठित और विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के लिए सभी योग्यताएँ हैं।

भारत यूएनएससी सुधारों पर चल रही अंतर–सरकारी वार्ताओं (आईजीएन) में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। भारत ने जी–4 समूह (भारत, जापान, ब्राजील और जर्मनी) और एल.69 समूह (एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों का अंतर–क्षेत्रीय समूह) में अपनी सदस्यता के माध्यम से अन्य सुधार–उन्मुख देशों के साथ

मिलकर काम किया है ताकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के बीच समर्थन जुटाया जा सके। हम वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलनों सहित विकासशील देशों के साथ भी लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

अनेक देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए भारत की पहल का समर्थन किया है, साथ ही पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए हमारी उम्मीदवारी का भी समर्थन किया है।

प्रधानमंत्री ने समिट ऑफ द फ्यूचर में अपने संबोधन में वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर पुनः बल दिया है। बड़ी संख्या में देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक अभिशासन से जुड़ी संस्थाओं में सुधार की मांग की।

*****